रोमियो और जूलिएट
विलियम शेक्सपियर

लेखक के बारे में

विलियम शेक्सपियर का जन्म स्ट्रैटफोर्ड-ऑन-एवन, इंग्लैंड में 23 अप्रैल 1564 को हुआ था. उनके पिता, जॉन शेक्सपियर, एक धनी व्यापारी थे. उनकी माँ का नाम था मैरी आर्डन. वह अपने माता-पिता की तीसरी सन्तान थे. विलियम ने शायद स्ट्रैटफोर्ड ग्राम्मर स्कूल में शिक्षा पाई थी, जहां उन्होंने इंग्लिश, ग्रीक और लैटिन भाषाएँ सीखीं थी.

विलियम का ऐनी हैथवे से विवाह 1582 में हुआ था. वह 1585 और 1595 के बीच लंदन आ गये, जहाँ पहले वह एक अभिनेता बने फिर नाटक लिखने लगे. उनकी नाटक कम्पनी 'द किंग्स मैन', ने अपने अधिकतर नाटक 'ग्लोब थिएटर' में खेले.

ऐसा माना जाता है कि शेक्सपियर ने कोई 37 नाटक, कई गीत और कवितायें लिखीं थी. थिएटर का जीवन छोड़ कर वह 1611 में स्ट्रैटफोर्ड लौट आये. वहां उनका घर नगर का दूसरा सबसे बड़ा घर था. पाँच वर्षों तक एक शांत और सुखी जीवन जीने के बाद 23 अप्रैल 1616 को उनका देहांत हो गया.

विलियम शेक्सपियर को इंग्लिश भाषा का सबसे महान लेखक माना जाता है.

विलियम शेक्सपियर

रोमियो और जूलिएट

रोमियो

जूलिएट

लार्ड और लेडी मोंटगुए

लार्ड और लेडी कैपुलेट

फराइयर लौरांस

मरक्युशो

प्रिंस एस्कल्स

टिबाल्ट

सैम्प्सन और ग्रेगरी कैपुलेट के नौकर थे. अपने स्वामियों के समान वह भी मोंटगुए परिवार के लोगों से लड़ने को तत्पर रहते थे.

मैं उनसे झगड़ा शुरू करूंगा. तुम निकट रहना और मेरी मदद करना.

अवश्य करूंगा. अगर हमें और सहायता की आवश्यकता पड़ी तो दूसरे कैपुलेट भी हमारा साथ देंगे.

कैपुलेट, मोंटगुयों से अधिक अच्छे स्वामी हैं!

क्या? तुम झूठ बोल रहे हो!

जैसे वह लोग लड़ने के लिये तैयार हुए, मोंटगुए का भतीजा बेन्वोलियो दौड़ा आया.
रुको मूर्खो! तुम जानते भी नहीं कि तुम क्या कर रहे हो!

तभी कैपुलेट की पत्नी के भतीजे, टिबाल्ट, ने बेनोविल्यो को तलवार लिए देखा. उसने सोचा कि बेन्वोलियो लड़ाई में अपने नौकरों का साथ दे रहा था.
बेन्वोलियो, जब तुम मुझ से लड़ सकते हो तो उन नौकरों से क्यों लड़ रहे हो?

मैं शान्ति बनाये रखने का प्रयास कर रहा हूँ, टिबाल्ट. अगर तुम्हें अपनी तलवार चलानी ही है तो इन नौकरों को अलग करने में मेरी सहायता करो.
मुझे तो ‘शान्ति’ शब्द ही प्रिय नहीं है. मैं तुम से और सब मोंटगुयों से घृणा करता हूँ. मैं तुम्हें ललकारता हूँ, मुझ से लड़ो!
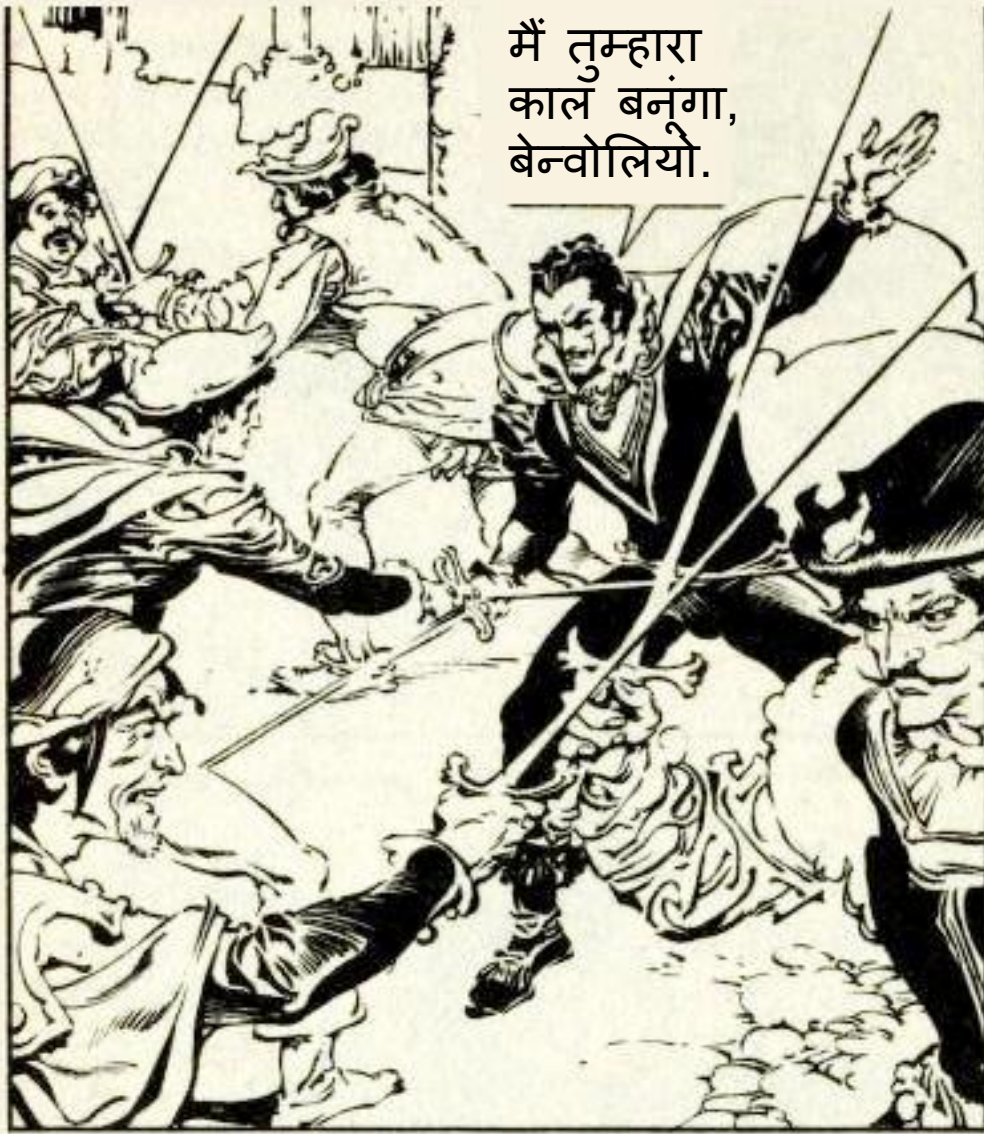
वेरोना नगर के कई नागरिक दोनों परिवारों की लड़ाई से तंग आ चुके थे. कई लोग लड़ने वालों की ओर दौड़े आये.

मोंटगुयों का विनाश हो!

कैपुलेटों का विनाश हो!

दोनों परिवारों का विनाश हो!

शोर सुन कर वृद्ध कैपुलेट और लार्ड मोंटगुए अपने-अपने घरों से बाहर आये.

देखो! वहां मोंटगुए तलवार लिये आ रहा है. मेरी तलवार लेकर आओ, बेगम.

नहीं, आप बहुत वृद्ध हैं, आप नहीं लड़ सकते.

उसी पल वेरोना के प्रिंस एस्कल्स वहां आये.

यह लड़ाई रोको! कैपुलेट और मोंटगुए, अपनी घृणा के कारण तुम दोनों तीन बार पहले ही नगर में उत्पात मचा चुके हो. हम इस सब से तंग आ चुके हैं.

अब अगर कोई भी गलियों में लड़ाई करता पाया गया तो उसे मृत्यु-दंड मिलेगा!

इतना कह कर प्रिंस चले गये.
अन्य लोग भी तितर-बितर हो गये.

जब वह इस तरह बात कर रहे थे, रोमियो उसी रास्ते पर आता दिखाई दिया. बेन्वोलियो अकेले ही उससे बात करने के लिये गया.

शुभ-सुबह कज़िन, तुम्हें क्या बात परेशान कर रही है?

ओह, बेन्वोलियो, मुझे प्यार हो गया है!

लेकिन जिस लड़की से मैं प्यार करता हूँ वह मुझे प्यार नहीं करती.

वह कौन है, रोमियो?

एक ऐसी लड़की जो कहती है कि मुझ से कभी विवाह नहीं करेगी.

फिर उसे भूल जाओ और कोई अन्य लड़की ढूंढो.

कुछ समय बाद वृद्ध कैपुलेट की भेंट काउंटी पेरिस से हुई. वह एक धनी और सुन्दर युवक था.
श्रीमान, मैं आपकी बेटी, जूलिएट, के साथ विवाह करना चाहता हूँ.
वह तो अभी बहुत छोटी है. लेकिन अगर वह तुम से विवाह करना चाहेगी तो मेरी अनुमति है.

आज रात हमारे घर दावत है, तुम आओ. शायद तुम्हें जूलिएट से भी अधिक सुंदर लड़की दिख जाए.
मैं अवश्य आऊंगा, सर.

वृद्ध कैपुलेट ने एक सेवक को नामों की एक सूची दी.
जाओ और जिन लोगों का नाम इस सूची में है उन्हें हमारे घर आने निमंत्रण दो.

स्वामी के आदेश अनुसार सेवक सूची लेकर चल दिया. लेकिन वह अनपढ़ था इसलिये रास्ते में किसी को रोक कर उसे सहायता लेनी पड़ी. सौभाग्यवश रोमियो और बेन्वोलियो उसी रास्ते पर आ रहे थे.

जैसे ही रोमियो ने सूची पढ़ कर बतायी, उसने पाया कि सूची में उस लड़की का नाम भी था जिसे वह प्यार करता था.

सेवक के जाते ही बेन्वोलियो ने रोमियो से कहा.

मैं जाऊँगा, बेन्वोलियो. लेकिन कोई और लड़की देखने के लिये नहीं, सिर्फ अपनी प्रेयसी को देखने के लिए.

उधर कैपुलेट परिवार के घर में जूलिएट की माँ ने एक आया से कहा कि उसकी बेटी को बुला कर लाये.
आया, जूलिएट कहाँ है? उसे कहो कि मैं उससे मिलना चाहती हूँ.

कुछ पलों बाद जूलिएट आई.
क्या बात है, माँ?
मैं जानना चाहती हूँ कि क्या तुम विवाह करना चाहोगी.

कुछ देर बाद एक सेवक वहां आया.

मैडम, मेहमान आने शुरू हो गये हैं. जल्दी ही खाना भी लगा दिया जाएगा.

हम अभी आते हैं. जूलिएट, पेरिस प्रतीक्षा कर रहा है. चलो, हम चलते हैं.

उस रात रोमियो और बेन्वोलियो भी अन्य मेहमानों के साथ कैपुलेट परिवार की दावत में सम्मिलित हुए. उनका एक अन्य मित्र, मरक्युशो, भी उनके साथ था.

प्रसन्न हो जाओ, रोमियो. तुम्हें क्या हुआ है?

कल रात मैंने एक बुरा सपना देखा, मरक्युशो. मुझे लगता है कि वह एक चेतावनी थी.
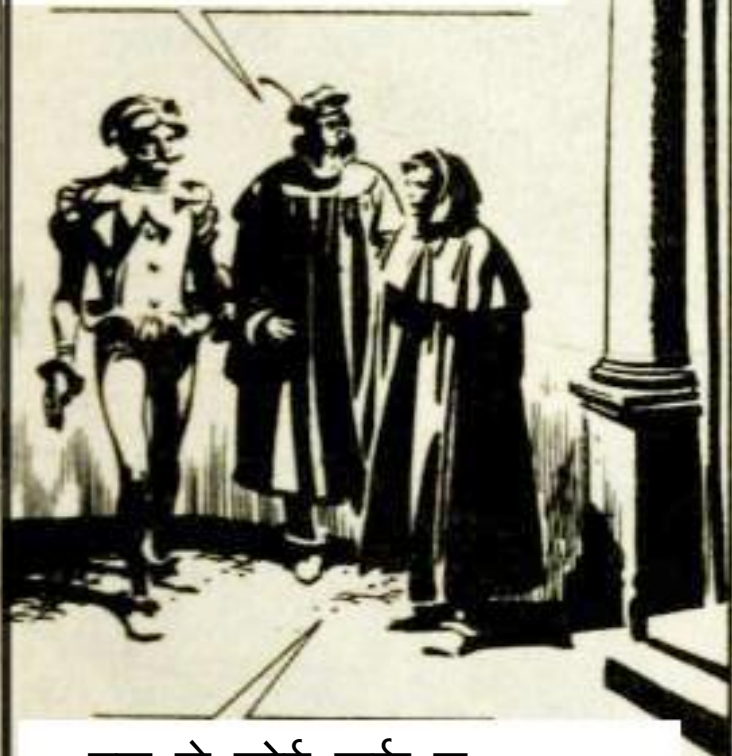
घर के भीतर लार्ड कैपुलेट मेहमानों का स्वागत कर रहे थे.

आप सब का स्वागत है. अब थोड़ा नृत्य होना चाहिये! संगीत बजाओ, संगीत!

कुछ समय बाद रोमियो आया. कमरे के दूसरी ओर उसे जूलिएट दिखाई दी. उसने एक सेवक से उसका नाम पूछा.

निकट ही खड़े टिबाल्ट ने रोमियो की कुछ बातें सुन लीं और उसकी आवाज़ को पहचान गया.
यह तो एक मोंटगुए है. मेरी तलवार कहाँ है?

चिल्ला क्यों रहे हो, टिबाल्ट?
अंकल, वह लड़का रोमियो, एक मोंटगुए, है. वह इस दावत में अड़चन डालने आया.

वेरोना के नगरवासी रोमियो का बहुत सम्मान करते हैं. मैं अपने घर में कोई उपद्रव नहीं चाहता, टिबाल्ट.
बाह! किसी मोंटगुए को यहाँ नहीं होना चाहिये. आप चाहते हैं तो मैं उस से अभी नहीं लड़ूंगा. लेकिन जल्दी ही उसे इस दु: साहस का दंड मिलेगा.
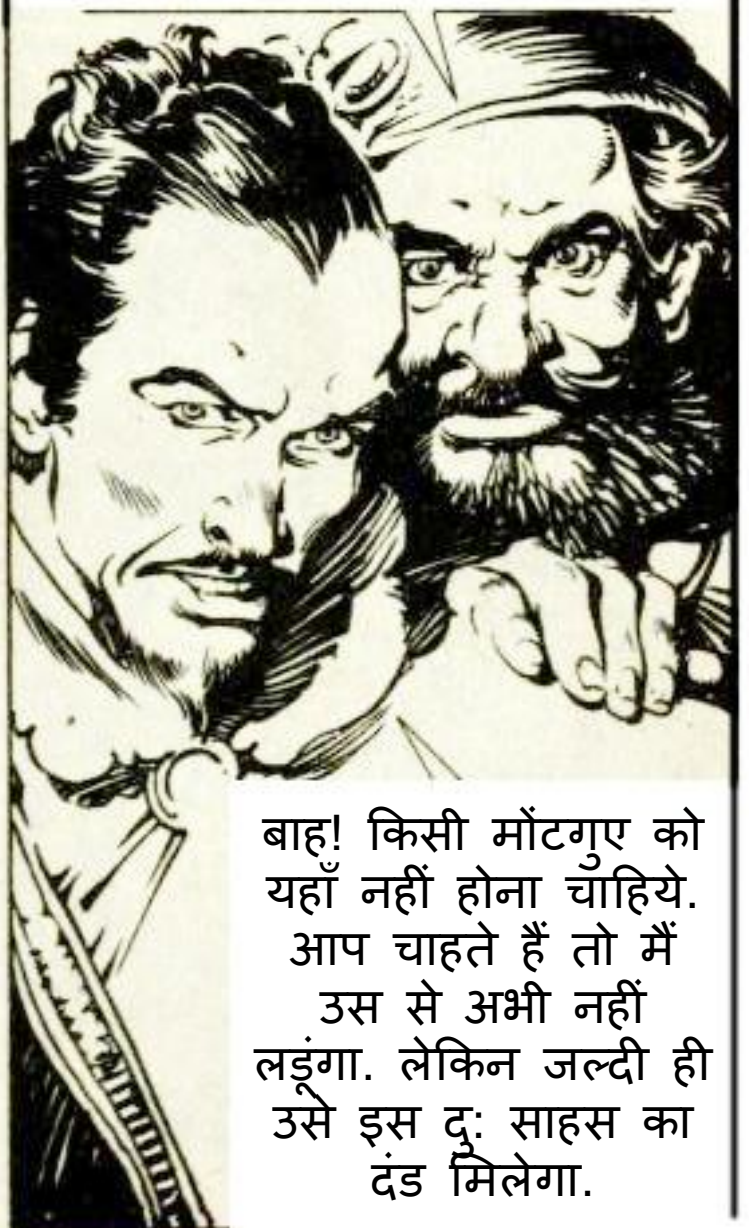
इधर टिबाल्ट वृद्ध कैपुलेट से बहस कर रहा था, उधर रोमियो जूलिएट के पास आया.
क्या मैं आपका हाथ थाम सकता हूँ?
क्यों नहीं? संतों के लिये यह चुम्बन समान ही होता है.

अगर हाथ चुम्बन ले सकते हैं तो क्या मेरे होंठ भी वही करें?

उस पल रोमियो और जूलिएट को एक दूसरे से बेहद प्यार हो गया.

तभी जूलिएट की आया पास आई.
मैडम, आपकी माँ आपसे बात करना चाहती हैं.
ठीक है.

जूलिएट के जाने के बाद रोमियो ने आया से पूछा.
उसकी माँ कौन है?
अरे, वह तो इस घर की स्वामिनी हैं.

उसकी माँ कैपुलेट है. यह युवती मेरे परिवार की शत्रु है. लेकिन मैं तो इसके बिना जीवित नहीं रह पाऊँगा.

बेन्वोलियो पीछे से आया और रोमियो को देखते ही समझ गया कि वह किसी उलझन में था .

जैसे ही वह द्वार के पास पहुंचे, लार्ड कैपुलेट ने रोमियो और बेन्वोलियो को रुकने के लिए कहा. पर दोनों ने मना कर दिया.

चलो, अब यहाँ से चलें.

हाँ, शायद तुम ठीक कह रहे हो.

अब हमें जाना होगा, सर. लेकिन यहाँ आकर हमें बहुत प्रसन्नता हुई.

उन युवकों के जाने के बाद, कैपुलेट को लगा कि पार्टी लंबे समय तक चली थी.

बहुत रात हो गयी है और अब मुझे आराम करना है. यहाँ आने के लिये आप सब का बहुत-बहुत धन्यवाद. शुभ-रात्रि.

जैसे ही मेहमान जाने लगे, जूलिएट ने आया से उस लड़के का नाम पूछा जिस से उसकी अंत में बात हुई थी.

वह युवक जिस ने तुम्हारा चुम्बन लिया था, वह एक मोंटगुए है. उसका नाम रोमियो है, तुम्हारे सबसे बड़े शत्रु का इकलौता पुत्र.

उधर, अपनी प्रेयसी जूलिएट को एक और बार देखे बिना, रोमियो घर जाना न चाहता था.
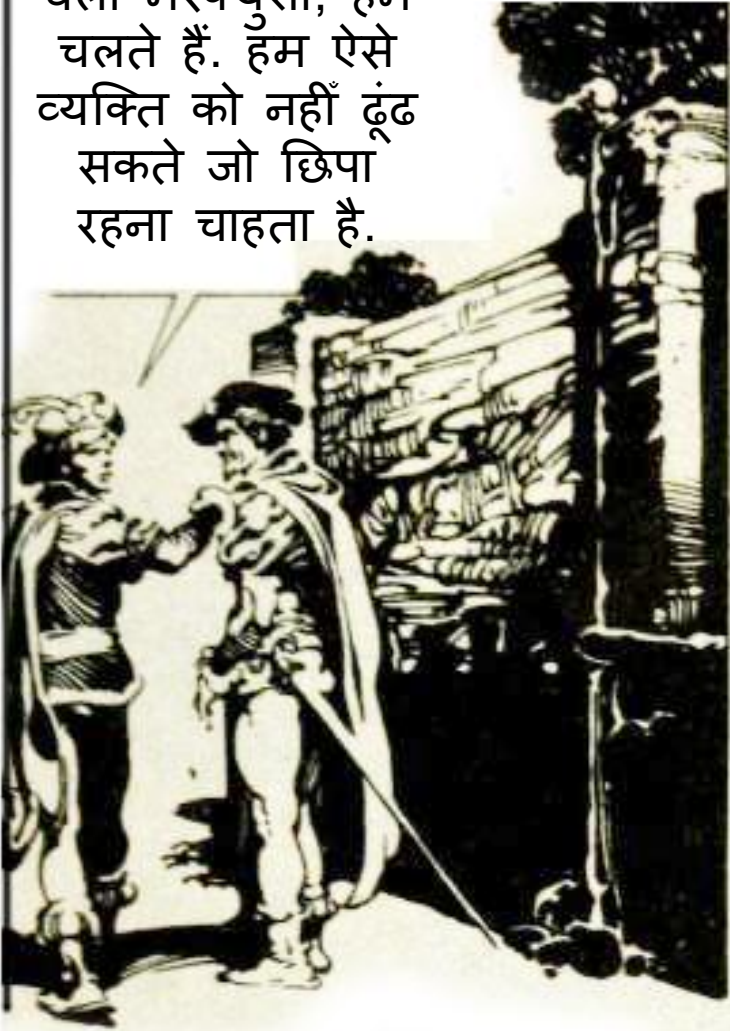
उधर बाग़ में रोमियो ने जूलिएट को अपने कमरे की खिड़की में खड़े देखा.
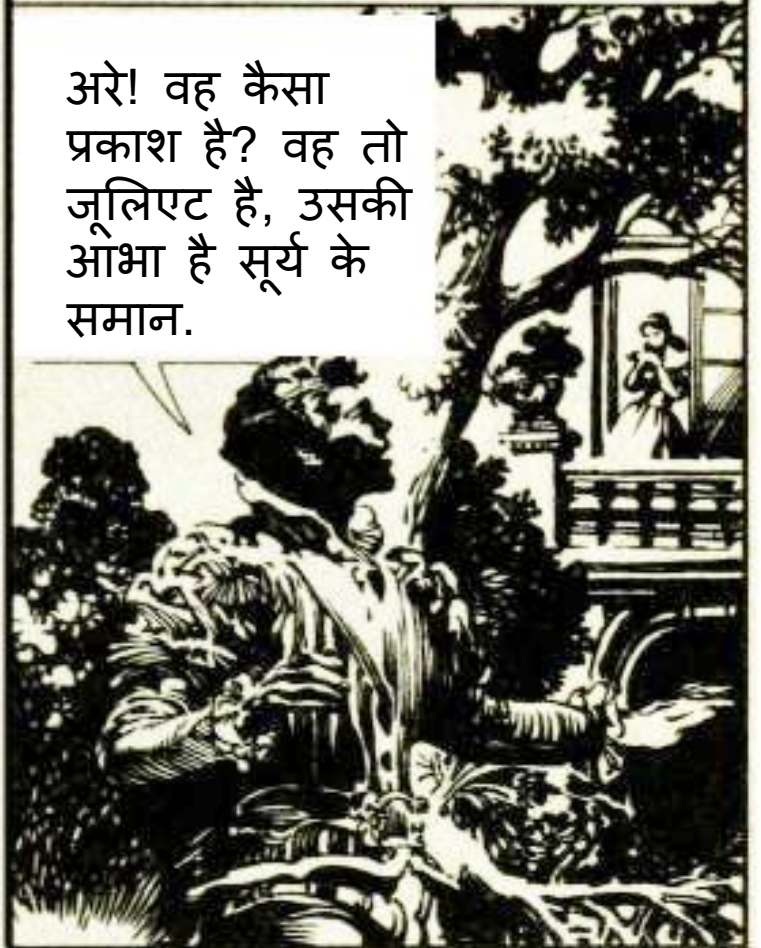
जूलिएट रोमियो को न देख पाई. बाहर बालकनी में आकर वह अपने आप से धीरे-धीरे बातें करने लगी.

ओह, रोमियो, काश तुम मोंटगुए न होते! अगर तुम बदल नहीं सकते तो मैं बदल जाऊँगी. मैं कैपुलेट न रहूँगी!

अपने परिवार के नाम के कारण ही रोमियो शत्रु है. वह अपना नाम त्याग दे तो मैं अवश्य उस से विवाह कर लूंगी.

तभी रोमियो बोला.
तुम्हें अपना वचन निभाना होगा, प्रिय जूलिएट.
रोमियो! तुम यहाँ क्यों आ गये? इस घर में तुम्हारी मृत्यु निश्चित है.

अगर मेरे संबंधियों ने तुम्हें देख लिया तो वह तुम्हारी हत्या कर देंगे.
तुम्हारे प्यार के बिना जीने से तो अच्छा है, जूलिएट, कि मैं तुम्हारे परिवार की घृणा के कारण अपनी जान गँवा दूँ.

रोमियो और जूलिएट ने कुछ देर प्यार भरी बातें कीं. फिर जूलिएट ने अपनी आया की आवाज़ सुनी जो उसे बुला रही थी.

रोमियो दीवार लांघ कर बाहर आ गया. बहुत देर हो चुकी थी पर रोमियो जानता था कि वह सो न पायेगा.

कुछ पल मौन रहने के बाद फराइयर लौरांस मान गये.

अगली सुबह बेन्वोलियो और मरक्युशो वेरोना के रास्तों पर घूमते हुए रोमियो को ढूंढ रहे थे.

मैंने रोमियो के पिता से बात की थी. वह सारी रात घर नहीं लौटा था.

बेन्वोलियो ने ही सर्वप्रथम अपने मित्र को अपनी ओर आते देखा.

अह, रोमियो आ रहा है.

शुभ दिवस, मुझे क्षमा करना. कल रात तुम्हें छोड़ कर मैं अकेले ही कहीं चला गया.

तभी जूलिएट की आया एक सेवक के साथ उनके पास आई.

क्या आप सज्जन बता सकते हैं कि रोमियो कहाँ मिलेगा?

मैं रोमियो हूँ.

मैं आपसे अकेले में कुछ बात करना चाहती हूँ, सर.

उसकी बात सुन मरक्युशो और बेन्वोलियो वहां से चले गये.

जूलिएट से कहना कि आज दुपहर में वह फराइयर लौरांस के यहाँ आये. मैं वहां उससे विवाह करूंगा.
आज दुपहर में, सर? वह अवश्य आएगी.

मैंने जूलिएट से कहा था कि काउंटी पेरिस एक अच्छा युवक है. लेकिन उसने मेरी बात न सुनी.
अच्छा! वह सिर्फ मेरे बारे में सोचती है!

उस को बताना कि मैं उससे प्यार करता हूँ.
मैं हज़ार बार बताऊँगी. चलो, पीटर.

उधर जूलिएट बाग़ में बैठी प्रतीक्षा कर रही थी. आया को गये हुए कोई तीन घंटे हो गये थे.

वह कहाँ होगी? उसने तो कहा था कि वह आधे घंटे में लौट आएगी.

इस बीच रोमियो ने फराइयर लौरांस से **बात की.**
प्रभु तुम पर कृपा करें, रोमियो.
जूलिएट के साथ विवाह करने के बाद ही मेरे जीवन में खुशियाँ आएँगी.

जल्दी ही जूलिएट आ पहुंची.
जूलिएट, क्या तुम भी उतनी ही प्रसन्न हो जितना प्रसन्न मैं हूँ?
ओह, रोमियो! मैं बता नहीं सकती की मैं तुमसे कितना प्यार करती हूँ.

फिर आओ मेरे साथ और मैं तुम दोनों का अभी विवाह करा दूँगा.

दुपहर में बहुत गर्मी हो गयी और बेन्वोलियो ने मरक्युशो से घर लौटने का अनुरोध किया.

मेरा विचार है मरक्युशो कि अब हमें लौट जाना चाहिए. गर्मी है और कई कैपुलेट भी आसपास हैं. अगर किसी से सामना हो गया तो अवश्य ही लड़ाई शुरू हो जायेगी.

जब वह इस तरह बात कर रहे थे तभी टिबाल्ट कुछ कैपूलेटों के साथ आता दिखाई दिया.

कैपुलेट आ रहे हैं.
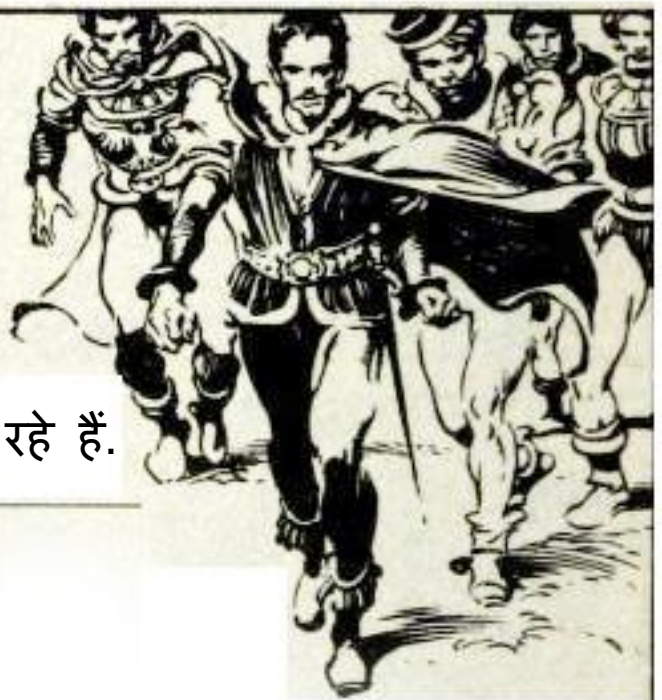
मैं परवाह नहीं करता. उनको आने दो!

सिर्फ एक बात,
और वह भी
सिर्फ एक से?
मैं तुम में से एक से
बात करना चाहूँगा.

यह सार्वजनिक स्थान है.
कहीं ओर चल कर बात करते हैं.
लोग देखते हैं तो
देखें. मैं यहाँ से
नहीं जाऊँगा.

*अचानक
टिबाल्ट ने
रोमियो को
आते देखा.*
अह, जिसे मैं ढूंढ
रहा था वह इधर ही
आ रहा है.

रोमियो का अभी-अभी जूलिएट से विवाह हुआ था. टिबाल्ट की बातें उसे उकसा न पायीं.
तुमने मेरा अपमान किया है, रोमियो. अपनी तलवार निकालो.
मैं तुम से लड़ नहीं सकता, टिबाल्ट. कैपुलेट मुझे उतने ही प्रिय हैं जितने मोंटगुए.

यह बात सुन, मरक्युशो को लगा कि रोमियो प्रेम में इतना आसक्त हो गया था कि वह लड़ नहीं सकता था. उसने टिबाल्ट को चुनौती दी.
मैं तुम से लड़ूंगा, टिबाल्ट. इसके पहले कि मैं तुम्हारे कान काट दूँ, संभल जाओ!

मैं तैयार हूँ, मरक्युशो.

बेन्वोलियो, लड़ाई रुकवाने में मेरी सहायता करो!

टिबाल्ट ..... मरक्युशो......रुको! प्रिंस ने वेरोना की गलियों में लड़ने पर प्रतिबन्ध लगा रखा है.

टिबाल्ट ने बिल्ली समान फुर्ती दिखाते हुए रोमियो के बाज़ू के नीचे से मरक्युशो पर प्रहार किया.
ओह, मैं घायल हो गया हूँ!

फिर टिबाल्ट अपने कैपुलेट साथियों के साथ भाग खड़ा हुआ. मरक्युशो घाव दबाये खड़ा रहा.

मोंटगुयों और कैपुलेटों का विनाश हो! मैं मर रहा हूँ!

धैर्य रखो, मरक्युशो, घाव गहरा नहीं हो सकता.
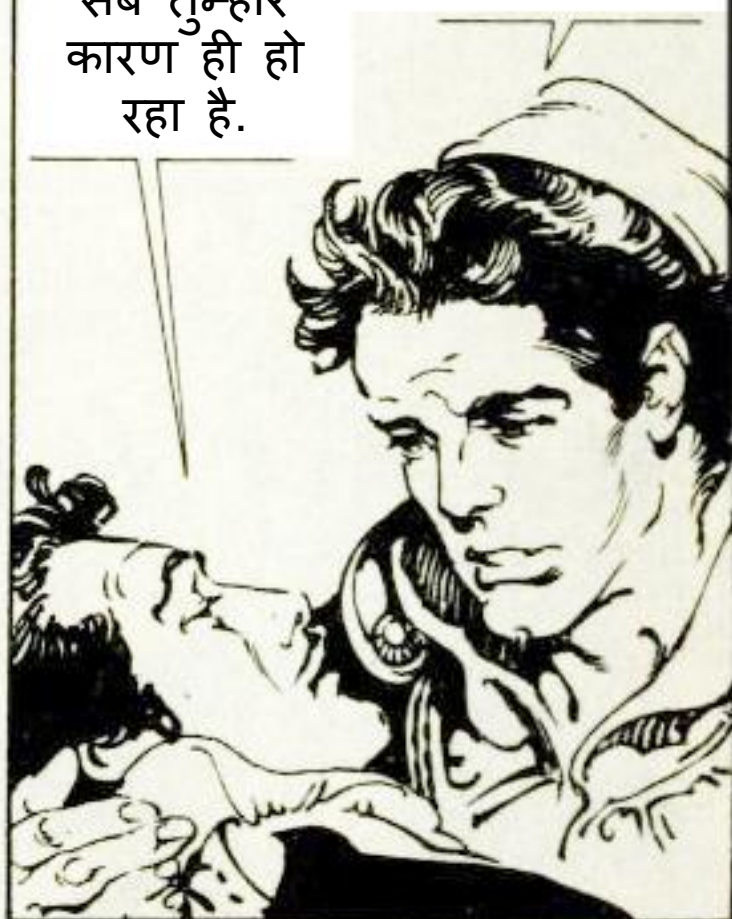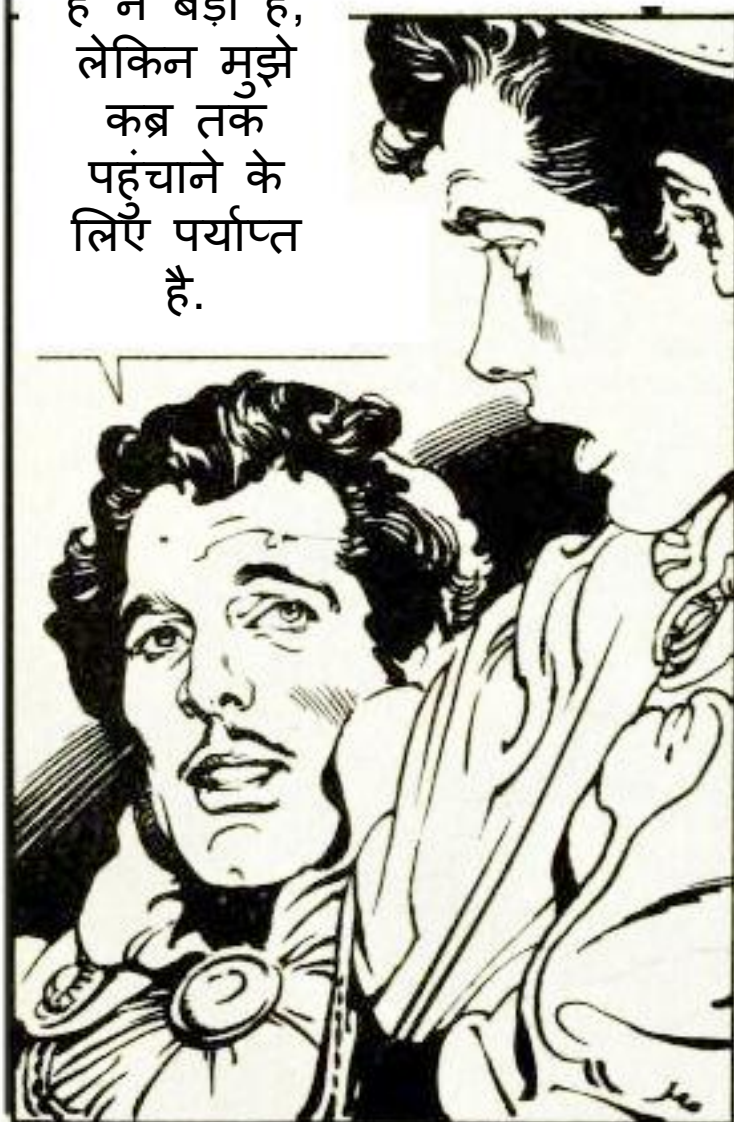
तभी बेन्वोलियो निकट के एक घर से भागता हुआ बाहर आया.

रोमियो! वीर मरक्युशो मर गया!

फिर तो मुझे टिबाल्ट को लड़ाई में मारना होगा या स्वयं मर जाना होगा!

तभी टिबाल्ट लौट आया.
मरक्युशो की आत्मा किसी के साथ की प्रतीक्षा कर रही है, टिबाल्ट! हम में से एक को उसके साथ जाना होगा!

फिर तो तुम ही उसके साथ जाओगे, रोमियो.
देखते हैं!

लड़ाई अधिक समय तक न चली. शीघ्र ही टिबाल्ट मारा गया.

यह देख बेन्वोलियो ने रोमियो को वहां से चले जाने के लिए कहा.

जल्दी ही भीड़ इकट्ठी हो गयी. यह जानने के लिये कि क्या हुआ था, प्रिंस स्वयं आ गये.

किस ने लड़ाई शुरू की?

टिबाल्ट ने मरक्युशो को मार डाला, इस कारण रोमियो ने टिबाल्ट से लड़ाई की.

इस पर लेडी कैपुलेट बोल पड़ी.

बेन्वोलियो मोंटगुयों का मित्र है, प्रिंस. उसकी बात का विश्वास न करें.

उधर, इन घटनाओं से अंजान, जूलिएट चुपचाप अपने बाग़ में बैठी थी.

आज रात रोमियो बालकनी पर चढ़ कर मेरे पास आएगा और हम साथ रहेंगे.

अचानक, रस्सी की सीढ़ी पकड़े, आया आई. इस सीढ़ी पर चढ़ कर रोमियो ऊपर आने वाला था. वह परेशान थी.

इस बीच फराइयर लौरांस रोमियो के लिये सूचना लाये.

आप क्या जान पाए, फ़ादर?

प्रिंस ने तुम्हें बहुत ही हल्की सज़ा दी है. तुम्हें यह नगर सदा के लिए छोड़ना होगा.

तभी जूलिएट की आया ने दरवाज़ा खटखटाया और भीतर आई.

इन घटनाओं की बीच जूलिएट के पिता नहीं जानते थे कि उनकी बेटी का रोमियो से विवाह हो चुका था. वह काउंटी पेरिस के साथ योजना बना रहे थे.

अगले गुरुवार को तुम उससे विवाह कर लो. यह सुझाव तुम्हें कैसा लगा?
सर, काश कल ही गुरुवार होता!
मैं ऊपर जाकर अभी यह बात जूलिएट को बताऊँगी.

उधर उसी पल रोमियो जूलिएट की बालकनी में खड़ा था.
क्या तुम्हें इतनी शीघ्र ही जाना होगा, रोमियो?
हाँ, प्रिय. सूर्य उदय होने वाला है. पक्षी चहचहाने लगे हैं. अगर मैं कुछ देर और रुक गया तो शायद मारा जाऊं.

लेकिन अगर तुम्हारी यही इच्छा है तो मैं रुक जाऊँगा, चाहे मेरी मौत ही क्यों न हो जाए.
नहीं, नहीं! तुम अभी चले जाओ.

तभी जूलिएट की आया ने उसे बुलाया.

मैडम, आपकी माँ आपसे मिलने आ रही हैं.

उन्हें पता नहीं लगना चाहिये की मैं यहाँ हूँ. जूलिएट, अलविदा कहो और मुझे जाने दो.

मैं हर दिन तुम्हारे सन्देश की प्रतीक्षा करूंगी!

और वचन देता हूँ कि मैं भेजूँगा.

इतना कह कर रोमियो वहां से चला गया.

जैसे ही लेडी कैपुलेट कमरे में आयीं, उन्होंने देखा कि जूलिएट उदास थी. उन्हें लगा कि वह टिबाल्ट की मृत्यु पर आंसू बहा रही थी.

जूलिएट, शुभ समाचार है. तुम्हारी ख़ुशी के लिये हमने तुम्हारा विवाह काउंटी पेरिस के साथ करने का निर्णय लिया है.

ओह, नहीं! माँ, मैं उस के साथ कभी विवाह नहीं करूंगी!

निश्चय ही कैपुलेट सोचते थे कि वह जानते थे कि जूलिएट के लिये क्या अच्छा था. जब जूलिएट ने उनकी इच्छा मानने से इंकार कर दिया तो गुस्से से भरे वह वहां से चले गये. फिर जूलिएट को अपने घर से बाहर जाने का अवसर मिल गया.

इस बीच अपने विवाह का आयोजन करने हेतु काउंटी पेरिस फराइयर लौरांस के पास पहुंचा.
तीन दिन का समय तो बहुत कम है!
कैपुलेट ही शीघ्र विवाह करना चाहते हैं.
तभी जूलिएट अचानक भीतर आ गयी. फराइयर से बात करने के लिये वह उतावली हो रही थी.
अहा, यह तो मेरी पत्नी है.
अभी नहीं, पेरिस. फ़ादर, क्या मैं आप से अकेले में बात कर सकती हूँ?
काउंटी पेरिस के जाने के बाद जूलिएट ने सहायता के लिये फराइयर से प्रार्थना की.
मैं जानता हूँ कि तुम्हें क्या परेशानी है, जूलिएट. और मेरे पास इसका समाधान भी है.
इस शीशी में जो द्रव्य है उसे पी लो. यह तुम्हें गहरी नींद में सुला देगा और हर कोई समझेगा कि तुम मर गयी हो!

तुम्हें एक मकबरे में रख दिया जाएगा. मैं पत्र लिख कर रोमियो को सूचित कर दूंगा. जब तुम नींद से जागोगी वह तुम्हारे पास होगा.

फिर रोमियो के साथ मन्टूआ जाकर तुम दोनों एक साथ रहना.
मैं ऐसा ही करूंगी, अलविदा फ़ादर.

जूलिएट तुरंत अपने घर लौट आई.
पिताजी, मैं फराइयर लौरांस के कमरे में पेरिस से मिली थी. मुझे लगता है कि वह अच्छा व्यक्ति है.
तब गुरुवार के बजाय कल ही तुम उससे विवाह करोगी!

अपने कमरे में लौट कर जूलिएट ने वह द्रव्य पी लिया जो फराइयर लौरांस ने उसे दिया था.
रोमियो, तुम्हें पाने के लिये मैं यह कर रही हूँ!

कुछ ही पलों में द्रव्य ने अपना प्रभाव दिखाया.

अगली सुबह जूलिएट को विवाह के लिये तैयार करने के लिये आया उसके कमरे में आई.
जूलिएट? ओह, नहीं! वह मर गयी है!

उसकी चीख-पुकार सुन, लार्ड और लेडी कैपुलेट उस कमरे की ओर भागे आये.
सुंदर फूल को जैसे पाला नष्ट कर देता है वैसे ही मृत्यु ने इसे मिटा दिया.

नीचे काउंटी पेरिस, फराइयर लौरांस के संग, प्रतीक्षा कर रहा था.
क्या चर्च जाने के लिये दुल्हन तैयार है?
वह चर्च जायेगी परन्तु वहां से लौट कर न आएगी. जूलिएट मर गयी है.

यह समाचार सुन रोमियो स्तब्ध हो गया. पर उसने तुरंत आगे की योजना सोची.

बाल्थसर के जाने के बाद, रोमियो ज़हर लेने के लिए पास की एक दूकान पर गया. जूलिएट के निकट अपनी जान देने का उसने मन बना लिया था.

इस बीच वेरोना में फराइयर लौरांस बहुत अशांत थे. एक दिन पहले उन्होंने रोमियो को एक पत्र लिखा था जिसे उन्होंने फराइयर जॉन को दिया था. उन्हें लग रहा था की फराइयर जॉन रोमियो का कोई उत्तर ले कर आयेंगे.
इतना ज़हर तो बीस लोगों को मार डालेगा.
धन्यवाद श्रीमान, यह रहे आपके पैसे.
क्या आप रोमियो से मिले, फराइयर जॉन?
मैं बुरा समाचार लाया हूँ, फराइयर लौरांस. जिस घर में मैं ठहरा था, लोगों ने उसे बंद कर दिया था. उन्हें भय था कि किसी को छूत की बीमारी थी, जो फ़ैल सकती थी. जब तक उन्हें विश्वास नहीं हो गया कि सब ठीक था, न किसी को बाहर जाने दिया गया, न भीतर आने दिया गया.
जो पत्र आपने मुझे दिया था वह रोमियो को मिला ही नहीं.
क्या? जल्दी से कुछ औज़ार ले कर आओ. तीन घंटे में जूलिएट नींद से जाग जायेगी. पर रोमियो उसके निकट न होगा.

उसी घड़ी काउंटी पेरिस जूलिएट के मकबरे में था. अचानक उसके सेवक ने उसे पुकार कर कहा.
सर, घोड़ों के आने की आवाज़ आ रही है.
फिर मैं छिप कर खड़ा हो जाता हूँ. मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे यहाँ देखे.

रोमियो और बाल्थसर जूलिएट के मकबरे के पास आये. वह मन्टूआ से आये ही थे.
यह पत्र लो, बाल्थसर, और मेरे पिता को दे दो. मैं यहाँ अकेला रहना चाहता हूँ.

उसके जाते ही रोमियो ने बाल्थसर के औज़ारों से मकबरे को खोल लिया. यह देख पेरिस ओट से बाहर आ गया और रोमियो को रुकने का आदेश दिया.
रोमियो, तुमने जूलिएट के कज़िन को मार डाला. उसकी मृत्यु से दुःखी होकर जूलिएट मर गयी. अब उसके परिवार को कोई चोट मत पहुँचाना. उसके मकबरे से चले जाओ.

लेकिन पेरिस ने उसकी बात न मानी. दोनों में लड़ाई हुई और पेरिस मारा गया.

अचानक रोमियो को अहसास हुआ कि जिस व्यक्ति को उसने मार डाला था वह मरक्युशो का कज़िन था. मरक्युशो रोमियो के सबसे अच्छे मित्रों में से एक था.

इतना कह कर रोमियो ने उसके शव को उठाया और मकबरे के भीतर आ गया.

फिर उसने शीशी में रखा ज़हर पी लिया.
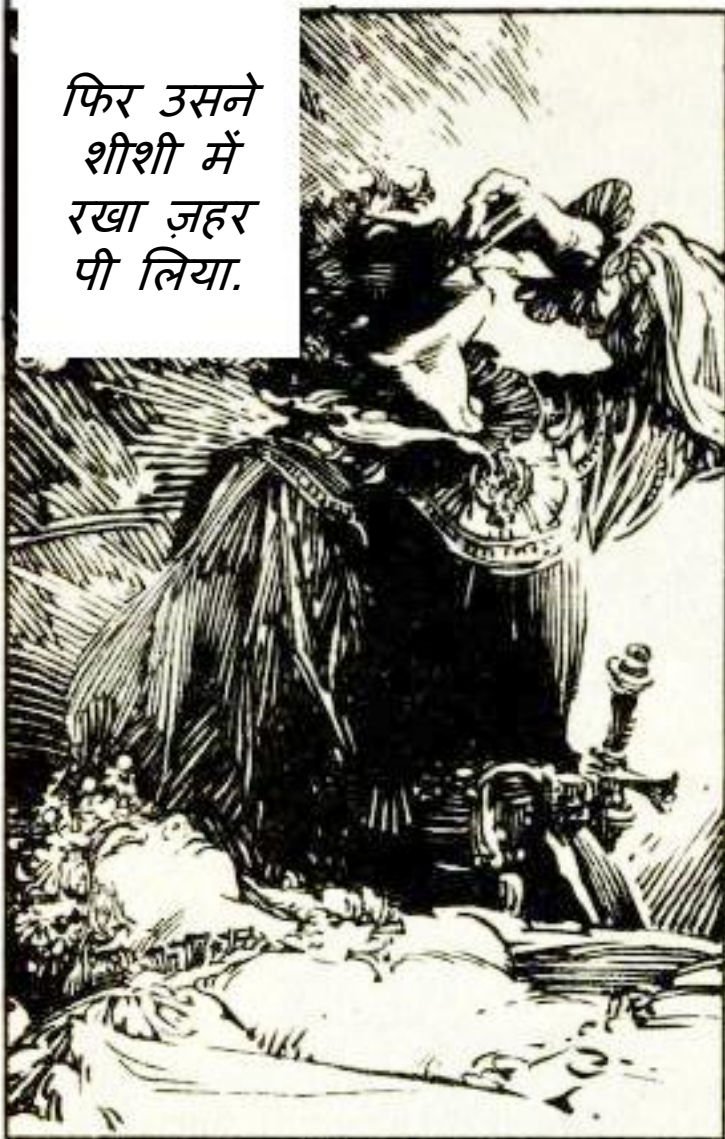
मरने से पहले उसने अंतिम बार जूलिएट का चुंबन लिया.
अलविदा, प्रिय!
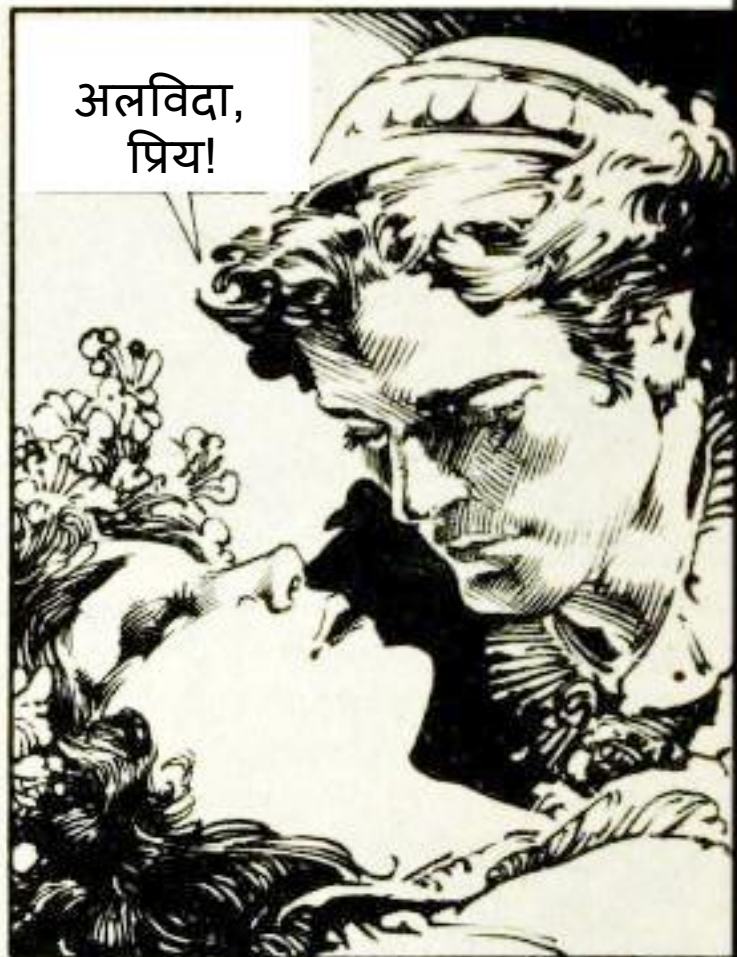
कुछ देर बाद फराइयर लौरांस और बाल्थसर मकबरे के भीतर आये. जूलिएट तब जागी ही थी.
रोमियो कहाँ है?
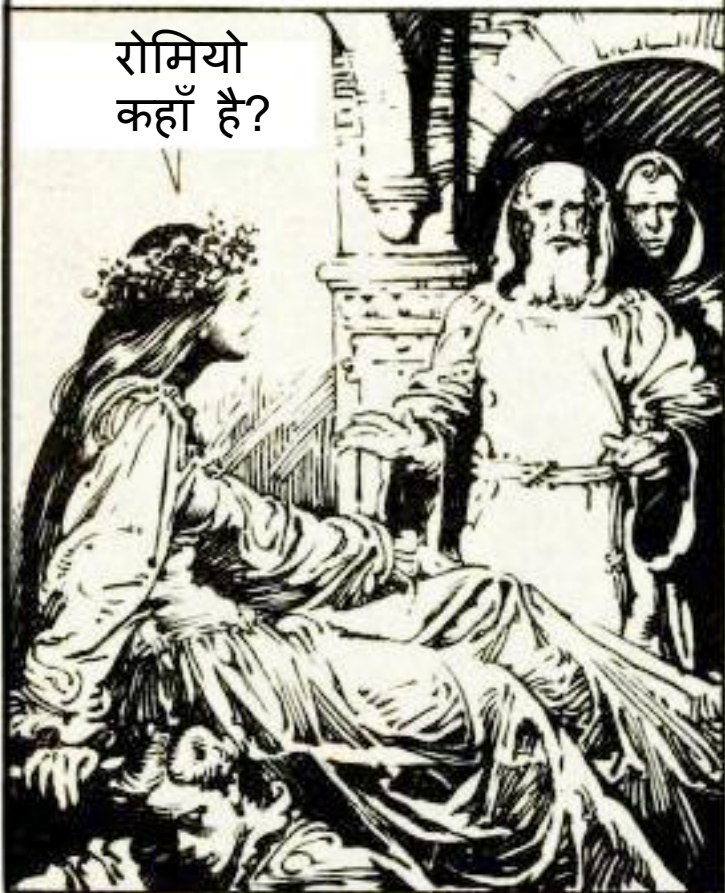
वह मर गया है, जूलिएट, और पेरिस भी. चलो, यहाँ से अभी निकल चलें.

लेकिन जूलिएट इतनी दुःखी और आहत थी कि वह कहीं जा न पा रही थी. पर फराइयर लौरांस भयभीत थे कि कहीं सिपाही उन्हें देख ने लें. बाल्थसर के साथ वह वहां से झटपट चले गये.

ऐसा कह कर उसने रोमियो की कटार लेकर अपनी सीने में खोंप ली.

पेरिस के सेवक के बुलाने पर कई सिपाही मकबरे पर आ गये. एक सिपाही फराइयर लौरांस और बाल्थसर को पकड़ कर वापस ले आया.

एक सिपाही मकबरे के भीतर गया. वहां उसे तीन शव दिखाई दिए. इस बीच प्रिंस एस्कल्स और कैपुलेट भी आ पहुंचे.
रोमियो और पेरिस मर गये हैं. और जूलिएट ने, जिसे हमने मृत समझा था, आत्महत्या कर ली है.

फराइयर लौरांस और बाल्थसर को पूछताछ के लिए आगे बुलाया गया. तभी लार्ड मोंटगुए भी आ गये.
यहाँ जो कुछ हुआ वह मैं आपको बताता हूँ, प्रिंस एस्कल्स. मैंने रोमियो और जूलिएट का विवाह गुप्त रूप से कर दिया था.

मैंने जूलिएट को दूसरे विवाह से बचाने का प्रयास किया. मेरे कहने पर उसने मृत होने का नाटक किया. रोमियो ने उसे अपने साथ मन्टूआ ले जाना था. मेरे कारण ही इनकी मौत हुई.
मैं आपको क्षमा करता हूँ, फराइयर. आपने वही किया जो आपको उचित लगा.

तब बाल्थसर ने प्रिंस एस्कल्स को वह पत्र दिया जो रोमियो ने उसे दिया था. इस पत्र से यह प्रमाणित हो गया कि फराइयर लौरांस सच बोल रहे थे.

तुम, मोंटगुए और कैपुलेट! देखो तुम्हारी शत्रुता का क्या परिणाम निकला? सर्वप्रथम, मरक्युशो और पेरिस मर गये.

कैपुलेट ने जूलिएट को खो दिया और मोंटगुए ने रोमियो को खो दिया. तुम लोगों के कारण हम सब को दंड मिला!

आखिरकार प्रिंस की बात सुनकर दोनों परिवारों को अहसास हुआ कि उन्होंने कितनी बड़ी भूल कर दी थी.

मोंटगुए, मुझ से हाथ मिलाओ. आज से हमारी शत्रुता सदा के लिये समाप्त हुई!

मैं वचन देता हूँ. अब हम कभी न लड़ेंगे!

यह बहुत ही अच्छी बात है! लेकिन अब हमें यहाँ से चले जाना चाहिये. इस जगह जो दुखद घटना घटी है उसकी पीड़ा सदा हमारे साथ रहेगी.

समाप्त